पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–12 30 जून, 2025

अब बिबेक जब देइ बिधाता। तब तजि दोश गुनहिं मनु राता।
काल सुभाउ करम बरिआईं। भलेउ प्रकृति बस चुकइ भलाईं।।

विधाता जब इस प्रकार का (हंस जैसा) विवेक देते हैं, तब दोषों को छोड़कर मन गुणों में अनुरक्त होता है। काल स्वभाव और कर्म की प्रबलता से भले लोग (साधु) भी माया के वश में होकर, कभी–कभी भलाई से चूक जाते हैं। **–श्रीरामचरितमानस / 1**

संकायाध्यक्ष (संकाय) की नियुक्ति

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)/2025/418371 दिनांक 30.06.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने 1 जुलाई, 2025 से अगले 2 वर्ष के लिए **प्रो. सिद्धार्थ पाण्डेय, रसायन विज्ञान विभाग** को तत्काल प्रभाव से संकायाध्यक्ष (संकाय) के रूप में नियुक्त किया है।

स्वागत

स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-4/2025/416026 दिनांक 23.06.2025 के अनुसार **प्रो. देबीदास कुण्डू** ने 17.06.2025 से संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-1 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. देबीदास कुण्डू को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग–2 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2025/417269 दिनांक 26.06.2025 के अनुसार **श्री दीपक कुमार साह,** तकनीकी सहायक (अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 27.06.2025 से स्वीकार कर लिया है। अतः श्री दीपक कुमार साह को 27.06.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।

आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला

''इन–फ्लाइट मेडिकल इमरजेंसी''

संस्थान अस्पताल से प्राप्त सूचना के अनुसार अस्पताल और अकादमिक आउटरीच कार्यालय की पहल **'आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला'** के चौथे सत्र में **''इन–फ्लाइट मेडिकल इमरजेंसी''** पर ज्ञानवर्धक और परस्परवार्ता के लिए संस्थान सदस्यों को आमंत्रित करते हैं। इस सत्र के विशेष आमंत्रित एवं वक्ता **डॉ. दीपक गुप्ता,** न्यूरोसर्जरी प्रोफेसर, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स (दिल्ली) और अनुबद्ध प्रोफेसर, आई.आई.टी. दिल्ली होंगे।

दिनांकः– 11 जुलाई, 2025 (शुक्रवार)

समयः– शाम 4:00 बजे से 5:30 बजे तक

स्थलः – सेमिनार हॉल, आई.आई.टी. दिल्ली

इस सत्र के मुख्य चर्चा बिंदुः

- उड़ान के दौरान चिकित्सा आपातस्थितियों को समझना।
- विमान में रहते हुए गंभीर स्वास्थ्य घटनाओं का प्रबंधन करना।
- उड़ान के दौरान चिकित्सा मनोविज्ञान की जानकारी।

यह स्वास्थ्य शृंखला सत्र सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई है। उड़ान के दौरान चिकित्सा आपातस्थितियों के बारे में जानने और उनके चिकित्सा मनोवैज्ञानिक पहलुओं को समझने में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस सत्र में भाग ले सकता है।

पंजीकरण विवरणः–अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण कराया जा सकता है।

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdf-1XDCvRtx3N1IiDS-IvUtAU488mfZDv07vAtZqfI2_CpMg/viewform?usp=header

इस ज्ञानवर्धक सत्र में आपकी सक्रिय भागीदारी की आशा हैं।

आरोग्य शृंखला की पिछली स्वास्थ्य वार्त्ताओं को निम्नलिखित यूट्यूब लिंक पर देखा जा सकता हैः

- आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला का दूसरा सत्र **''पीठ दर्द–क्या करें और क्या न करें''**

https://youtu.be/9c2uSqv8DiA?si=EOAEDrUepIvSiMwM

- आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला का तीसरा सत्र **''मोतियाबिंद को समझना''**

https://youtu.be/0rRqRCFko00?feature=shared

आई.आई.टी. दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह–2025

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली द्वारा अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर संस्थान में 26 मई से 21 जून, 2025 तक लगातार कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, परिसरवासियों एवं उनके परिवारों के बीच योग अभ्यास को बढावा देना है। इस समारोह के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :–

- **बच्चों के लिए योग शिविर**

26 से 31 मई के बीच छात्र गतिविधि केंद्र (एस.ए.सी.) में बच्चों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- **महिलाओं के लिए योग शिविर**

2 से 7 जून तक आई.आई.टी. दिल्ली में महिलाओं के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के छात्र गतिविधि केंद्र (एस.ए.सी.) में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- **हार्टफुलनेस ध्यानः अपने हृदय में दिव्यता का अनुभव करें**

17 से 19 जून तक आई.आई.टी. दिल्ली में एक ध्यान सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 4 प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों **डॉ. राहुल मेहरोत्रा, श्री चंद्रशेखर पाटिल, श्रीमती विनीता उप्रेती एवं डॉ. अरविंद पाल तोमर** को आमंत्रित किया गया।

- **विशेषज्ञ वार्ताः आयुर्वेदिक और योगिक जीवन शैली**

20 जून, 2025 को आई.आई.टी. दिल्ली में आयुर्वेदिक और योगिक जीवन शैली पर एक विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। यह कार्यक्रम संस्थान के सेमिनार हॉल में किया गया, जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों **डॉ. सुरिंदर कटोच एवं डॉ. मुक्ता कटोच अरोड़ा** को आमंत्रित किया गया।

- **योग के लिए दौड़**

21 जून, 2025 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में संस्थान के हॉकी मैदान में सुबह की दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें आई.आई.टी. दिल्ली के लगभग 500 परिसरवासियों ने भाग लिया।

- **सुबह का योग और ध्यान**

21 जून, 2025 को सुबह की दौड़ गतिविधि के बाद, हॉकी मैदान में योग और ध्यान सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें आई.आई.टी. दिल्ली के लगभग 550 परिसरवासियों ने भाग लिया। दो प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों **डॉ. सुरिंदर कटोच एवं डॉ. मुक्ता कटोच अरोड़ा** को आमंत्रित किया गया।

- **नाद योग – विश्व संगीत दिवस**

21 जून, 2025 को आई.आई.टी. दिल्ली के सेमिनार हॉल में कर्नाटक वायलिन वादन का आयोजन किया गया, जिसमें आई.आई.टी. दिल्ली के लगभग 200 परिसरवासियों ने भाग लिया।

सभी कार्यक्रमों में संस्थान के विद्यार्थियों, संकाय, स्टाफ सदस्यों एवं परिसर समुदाय की सक्रिय भागीदारी रही। आमंत्रित विशेषज्ञों और कलाकारों ने उत्सव को बहुत महत्व दिया, अपनी विशेषज्ञता साझा की और सभी के लिए यह एक यादगार अनुभव रहा।

सेवानिवृत्ति

संस्थान के निम्नलिखित स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 30 जून, 2025 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

श्री सुरेश चन्द्र (26247), ड्राफ्टमैन (ग्रेड-I) संपदा कार्यालय

श्री सुरेश चन्द्र ने 03 जनवरी, 1991 को संस्थान में ड्राफ्टमैन-III के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको ड्राफ्टमैन ग्रेड-I के रूप में मैप किया गया। 01 फरवरी, 2003 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको ड्राफ्टमैन ग्रेड-I के रूप में पदोन्नत किया गया। 03 जनवरी, 2011 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 4600/–रु. में उन्नयन दिया गया। 03 जनवरी, 2021 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको लेवल–8 में उन्नयन दिया गया। विनम्र स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व के श्री सुरेश चन्द्र एक मेहनती एवं कर्मठ ड्राफ्टमैन (ग्रेड-I) रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त स्टाफ सदस्य को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

हिन्दी में कार्य को सुगम बनाने के लिए 'कंठस्थ'– स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर

डॉ. नीरज चौरसिया
अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष

1. परिचय

आज के डिजिटल युग में सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) ने कार्यक्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। विभिन्न आई.टी. टूल्स और सॉफ्टवेयर के उपयोग से कार्यों को न केवल तेजी से बल्कि अधिक सटीकता और प्रभावशीलता के साथ संपन्न किया जा सकता है। इन टूल्स के माध्यम से विभिन्न उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी संगठनों में उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव ने राजभाषा हिन्दी में कार्य को अधिक सुगम और प्रभावी बना दिया है। विभिन्न आई.टी. टूल्स और सॉफ्टवेयर के माध्यम से हिन्दी में दस्तावेज तैयार करना, अनुवाद करना, टाइपिंग करना तथा सम्प्रेषण करना अत्यंत सरल हो गया है। हिंदी में कई सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं जैसे कि हिंदी इनपुट टूल, स्पेल चेकर, स्क्रिप्ट कन्वर्टर, हिंदी टेक्स्ट एनालिसिस, ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन, हिंदी ई–मेल और चैट या हिंदी भाषा के लिए नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग। हिंदी में कार्य करने को सरल और सहज बनाने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कई सॉफ्टवेयर/टूल्स उपलब्ध कराये हैं, जिसमें से 'कंठस्थ'– मेमोरी आधारित अनुवाद सिस्टम (https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/), हिंदी शब्द सिंधु – हिंदी शब्दकोश (https://hindishabdsindhu.rajbhasha.gov.in/), हिंदी स्वयं शिक्षण–लीला–प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ (https://lilappp.rb-aai.in/#!), लीला हिंदी प्रवाह (https://lilahindipravah.rb-aai.in/#!), ई–सरल हिंदी वाक्यकोश (https://narakas.rajbhasha.gov.in/saral/saral2.php, आदि प्रमुख हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण मशीन साधित अनुवाद सॉफ्टवेयर 'कंठस्थ' है जिसे राजभाषा विभाग ने सी–डैक, पुणे की मदद से विकसित किया, इसका विवरण यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है। 'कंठस्थ' का प्रयोग करके हिन्दी अनुवाद को सुगम बनाया जा सकता है। 'कंठस्थ', ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) तथा न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित मशीन साधित अनुवाद सिस्टम है। इस अनुवाद सिस्टम से अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। स्मृति आधारित इस अनुवाद सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें यूजर द्वारा किए गए अनुवाद कार्य को संगृहीत किया जाता है जिसे किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः प्रयोग किया जा सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डाटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी. एम. से खोज कर लाता है। यदि वाक्य का अनुवाद डेटाबेस में नहीं तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

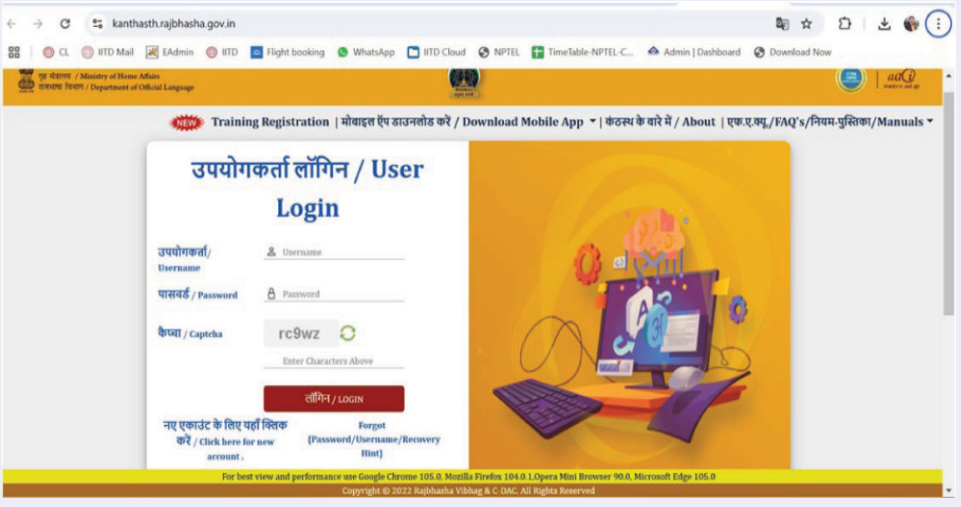

स्रोत : https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/

राजभाषा विभाग द्वारा तकनीकी की सहायता से अनुवाद के क्षेत्र मे तेजी लाने के लिए अगस्त 2018 में मॉरीशस मे आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन के अवसर पर स्मृति आधारित अनुवाद टूल 'कंठस्थ' का लोकार्पण माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री द्वारा किया गया। वर्तमान आवश्यकताओं को देखते हुए राजभाषा विभाग द्वारा इसका उन्नत संस्करण 'कंठस्थ 2.0' (https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/) विकसित किया गया है जिसका विवरण यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है। 'कंठस्थ 2.0' का मोबाइल संस्करण Adroid और iOS के लिए भी उपलब्ध है।

2. 'कंठस्थ 2.0' में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य शब्द

कंठस्थ 2.0 में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य शब्द व उनका विवरण निम्नानुसार है :

1. ट्रांसलेशन मेमोरी (TM)– ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटा बेस है जिसमें स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उन वाक्यों के अनूदित रूप को एक साथ रखा जाता है। यह दो प्रकार की होती है :

लोकल टी.एम.– यूजर के लॉगिन पर जो टी.एम. बनती है उसे लोकल टी.एम. कहते हैं। यह प्रोजेक्ट तथा फोल्डर के आधार पर संग्रहीत होती है तथा प्रत्येक यूजर की अपनी अपनी TM होती है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटा बेस बढ़ता रहता है।

ग्लोबल टी.एम.– ग्लोबल टी.एम., कंठस्थ 2.0 के सैंट्रल सर्वर पर संगृहीत होती है। इसी टी.एम. को ग्लोबल डेटा बेस भी कहते है। ग्लोबल टी.एम. प्रत्येक यूजर के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध रहती है।

2. पूर्णतः मिलान– जिन वाक्यों का अनुवाद करते समय सिस्टम पूर्णतः मिलान दिखाता है उन वाक्यों का स्कोर 100 आता है। इसका अर्थ यह है कि इस वाक्य का अनुवाद 100% सही है।

3. आंशिक मिलान– जिन वाक्यों का 100% मिलान नहीं होता है परंतु 1% से 99% तक के मध्य का मिलान उपलब्ध होता है तो उसे Fuzzy Match या आंशिक मिलान कहते है। इस मिलान के प्रतिशत को यूजर कम या ज्यादा भी कर सकते हैं अथवा इसे हटा भी सकते है।

4. NMT (न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन) जब किसी वाक्य का अनुवाद ग्लोबल या लोकल टी. एम. से प्राप्त नहीं होता है तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

5. स्रोत भाषा– जिस भाषा में फाइल अनुवाद के लिए अपलोड की जाती है उसे स्रोत भाषा या Source Language कहते हैं। कंठस्थ 2.0 पर हिन्दी तथा अँग्रेजी भाषा की फाइलें अनुवाद के लिए अपलोड की जा सकती हैं।

6. लक्षित भाषा– जिस भाषा में फाइल का अनुवाद किया जाता है उस भाषा को लक्षित भाषा या Target Language कहते हैं।

7. मेन्यू बार– कंठस्थ 2.0 के लॉगिन के बाद होम पेज पर ऊपर मध्य से दाहिनी ओर तक 08 बटनों का एक समूह है जिसे मेन्यू बार कहते हैं। इसमें Ins Trans, Notification, Show TM, Analysis, Report, Dictionary, Feedback तथा Logout के बटन उपलब्ध हैं।

8. टूल बार– यह हर पेज पर अलग अलग बटनों के साथ उपलब्ध है। जैसे होमपेज पर 02 टूल बटन, प्रोजेक्ट पेज पर 03 टूल बटन तथा फोल्डर पेज पर 11 टूल बटन के साथ उपलब्ध है।

9. एडिटर पेज– जिस पेज पर फाइल का अनुवाद कार्य किया जाता है उस पेज को एडिटर पेज कहते हैं यह किसी भी फाइल को डबल क्लिक करने पर खुल जाता है।

3. 'कंठस्थ 2.0' की कार्यप्रणाली

ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) मशीन–साधित अनुवाद प्रणाली का एक भाग है जिससे अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटाबेस है जिसमें स्रोत भाषा (Source language) के वाक्यों एवं लक्षित भाषा (Target language) में उन वाक्यों के अनुवादित रूप को एक साथ रखा जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः प्रयोग कर सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डेटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से लाता है।

ट्रांसलेशन मेमोरी डेटाबेस बनाने के लिए स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उनके अनुवादित वाक्यों का विश्लेषण किया जाता है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटाबेस उतरोत्तर बढ़ता रहता है।

टी.एम. का डेटाबेस दो प्रकार का होता है: ग्लोबल ट्रांसलेशन मेमोरी (जी.टी.एम.) तथा लोकल ट्रांसलेशन मेमोरी (एल.टी.एम.)। एल.टी.एम. प्रत्येक अनुवादक के कम्प्यूटर पर अलग–अलग होती है, जबकि जी.टी.एम. एक सामूहिक डेटाबेस है जोकि राजभाषा विभाग के सर्वर पर उपलब्ध है। परीक्षण के पश्चात् विभिन्न एल.टी.एम. जी.टी.एम. का भाग बन जाती हैं।

ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है।

'कंठस्थ 2.0' पर अनुवाद करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया जाना चाहिए –

'कंठस्थ 2.0' पर कार्य करने के लिए सर्वप्रथम हमे 'कंठस्थ 2.0' पर पंजीकरण कर अपना यूजर आईडी तथा पासवर्ड बनाना होता है। इसके बाद लॉगिन किया जाता है।

लॉगिन के बाद होम पेज पर दो बार (एक मेन्यू बार तथा दूसरा टूल बार) दिखाई देते हैं।

टूल बार की सहायता से प्रोजेक्ट बनाना होता है। प्रोजेक्ट बनाने के बाद फोल्डर बनाया जाता है तथा फोल्डर बनाते समय ही उसमें फाइल को अनुवाद के लिए अपलोड कर दिया जाता है।

फाइल पर डबल क्लिक कर एडिटर पेज पर अनुवाद कार्य किया जाता है।

4. 'कंठस्थ 2.0' के कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु

कंठस्थ 2.0 के कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नानुसार हैं –

डेटा को राजभाषा विभाग द्वारा NIC के सर्वर पर Encrypted रूप में संगृहीत किया जाता है।

वर्तमान संस्करण में 20MB तक की फाइल को अपलोड करने तथा फाइल को विभाजित करने की सुविधा भी है।

कंठस्थ सर्वर के माध्यम से तथा ई–मेल द्वारा फाइल को शेयर किया जा सकता है।

यूजर द्वारा स्वयं की TM को बनाना अपनी TM को शेयर तथा डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध है।

यह सिस्टम यूजर द्वारा अनुवाद के समय सर्वप्रथम अपनी TM से मिलान उपलब्ध करने तथा Doc, docx तथा excel की फाइलों को फॉर्मेट रिबिल्ड की सुविधा भी प्रदान करता है।

केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों के चयनित अधिकारियों को ग्लोबल डेटा मे डेटा भेजने की सुविधा उपलब्ध कराता है।

यह सिस्टम वाक्यांश को खोजने, फाइल का विश्लेषण जिसमें पूर्ण एवं आंशिक रूप से मिले हुए वाक्यों की संख्या, कुल वाक्यों की संख्या, कुल शब्दों की संख्या तथा अनूदित फाइल का प्रतिशत आदि बताने में भी सक्षम है।

यूजर को द्विभाषिक फाइल को डाउनलोड करने, एक समय–विशेष में बनाए गए प्रोजेक्ट तथा अनुवाद की गई फाइलों की रिपोर्ट प्राप्त करने की सुविधा भी देता है ।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com